# इस मतलब की दुनिया में | by Raj Pareek

इस मतलब की दुनिया में कहीं मिलता सच्चा प्यार नहीं
देख बनाकर श्याम को साथी इनसे सच्चा यार नहीं

भले ही मूरत बनकर बैठा पर है तेरे साथ खड़ा
आये संकट जब भी तुझ पर तुमसे पहले श्याम लड़ा
लौटा हो मायूस कभी कोई ये ऐसा दरबार नहीं
देख बनाकर श्याम को साथी इनसे सच्चा यार नहीं

जिसने शीश का दान दिया हो उनको तुम क्या परखोगे
जो ना कृपा इनकी होती पानी को भी तरसोगे
मोह माया से रीझता हो ये ऐसा साहूकार नहीं
देख बनाकर श्याम को साथी इनसे सच्चा यार नहीं

कहता राज कि दु:ख में अपना धीरज ना खोना प्यारा
कहीं और ना जाना तुम बस इनसे ही कहना प्यारे
श्याम को जिसने जीत लिया कभी होती उसकी हार नहीं
देख बनाकर श्याम को साथी इनसे सच्चा यार नहीं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%87%e0%a4%b8-%e0%a4%ae%e0%a4%a4%e0%a4%b2%e0%a4%ac-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-raj-pareek/